राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना के तहत
तैयार की गई सिंधु नदी घाटी की हिमनदीय झील एटलस का विमोचन

Release of Glacial Lake Atlas of Indus River Basin Prepared under National Hydrology Project

राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र एक केंद्रीय कार्यान्वयन अभिकरण है। यहविश्व बैंक के वित्तीय सहायता से जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय जलविज्ञान परियोजना(एनएचपी) के तहत अध्ययन करता है। इस अध्ययन के भाग के रूप में एनआरएससीभारतीय नदी घाटियों में 'हिमनदीय झील का विस्फोट बाढ़ (जीएलओएफ) जोखिम मूल्यांकन' का कार्य करता है। इसके तहतमहत्वपूर्ण हिमनदीयझीलों और जीएलओएफजोखिम मूल्यांकन के प्राथमिकता में उपयोग के लिए भारतीय नदी घाटियों केहिमालय क्षेत्र में हिमनदीय झील का एक अद्यतनसूची तैयार करना है।

National Remote Sensing Centre, as one of the Central Implementing Agency, is executing studies under National Hydrology Project (NHP) sponsored by Ministry of Jal Shakti, Department of Water Resources, River Development and Ganga Rejuvenation, Govt. of India with financial aid from the World Bank. As part of this, NRSC is carrying out 'Glacial Lake Outburst Flood (GLOF) Risk Assessment of Glacial Lakes in the Himalayan Region of Indian River Basins' under which an updated inventory of Glacial Lakes in the Himalayan Region is carried out for use in prioritization of critical glacial lakes and GLOF risk assessment.

सिंधु नदी घाटी की हिमनदीय झील आंकड़ा का उपयोग कर एक एटलस तैयार किया गया। इस एटलस को औपचारिक रूप से श्री यू.पी. सिंह, सचिव, जल-शक्ति मंत्रालय तथा श्री शांतनु चौधुरी, निदेशक, एनआरएससी द्वारा दिनांक 02 दिसंबर 2020 को वीडियो सम्मेलन कार्यशालाके माध्यम से विमोचित किया गया। सिंधु घाटी हिमनदीयएटलस अपनी तरह का प्रथम एटलस है जोसिंधु नदी घाटी के 3,42,738 वर्ग किमी के भौगोलिक क्षेत्र को समाविष्ट करते हुए 2016 से 2017 की अवधि की उच्च विभेदन रिसोर्ससैट-2 लिस4एमएक्स उपग्रह आंकड़ो के उपयोग से 0.25 है. से अधिक आकार के 5,335 हिमनदीय झीलों के विभाजन को दर्शाता है। यह एलटस क्षेत्रफल, प्रकार तथा उन्नयनव प्रशासनिक इकाई वार हिमनदीय झीलों के स्थानिक विभाजन को प्रस्तुत करता है। यह एलटस संभावित महत्वपूर्ण हिमदनीय झीलों तथा अनुषंग जीएलओएफ जोखिम मूल्यांकन की पहचान करने के लिए उपयोगी होगी। यह आपदा अल्पीकरण योजना तथा केंद्रीय तथा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के लिए संबंधित कार्यक्रम में सहायक सिद्ध होगी।

Using glacial lake database of Indus basin, an Atlas is brought out. The Atlas was formally released by Shri. U.P. Singh Secretary, Ministry of Jal Shaktiand Shri.SantanuChowdhury, Director, NRSC on 02 Dec, 2020 through a video conference workshop.The Indus basin glacial atlas is first of its kind depicting distribution of 5,335 glacial lakes of size greater than 0.25 ha mapped using high resolution Resourcesat-2 LISS4 MX satellite data of the period 2016 to 2017 covering the Indus river basin with geographical area of 3,42,738 sq.km. The atlas presents the spatial distribution of glacial lakes in terms of area, type and elevation and administrative unit wise. The atlas will be useful for identifying the potential critical glacial lakes and consequent GLOF risk assessment. It also assists disaster mitigation planning and related programs for Central and State Disaster Management Authorities.

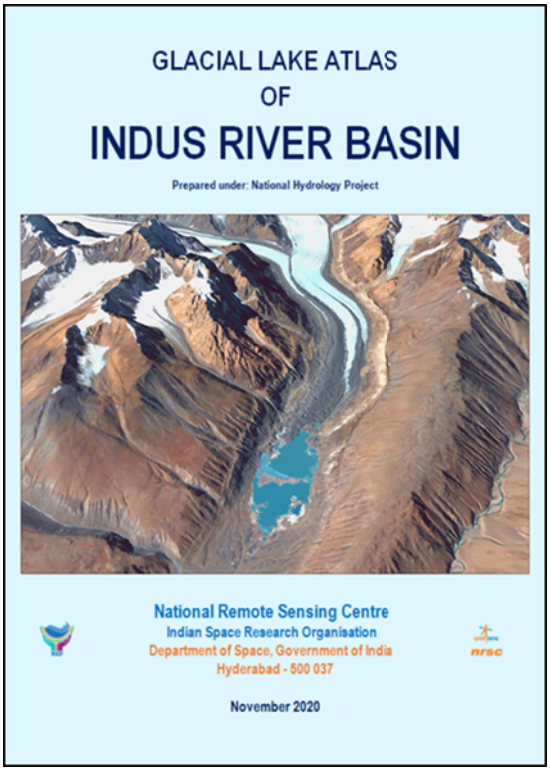

दिनांक 02 दिसंबर, 2020 को

सिंधु घाटी के हिमनदीय झील एटलस का श्री यू.पी.सिंह, सचिव, जल-शक्ति मंत्रालय तथा श्री. शांतनु चौधुरी, निदेशक, एनआरएससीस द्वारा वीडियो सम्मेलन कार्यशाला के माध्यम से विमोचन।

Release of Glacial Lake Altas of Indus Basin by Shri. U.P. Singh Secretary, Ministry of Jal Shakti and
Shri. Santanu Chowdhury, Director, NRSC on 02 Dec, 2020 through a video conference workshop

Atlas can be viewed at *http://nhp.mowr.gov.in*